[This question paper contains 4 printed pages.]

(6)

Your Roll No..............

Deshbandhu College Library Kalkaji, New Delhi-19
2019

Sr. No. of Question Paper : 9382 1C

Unique Paper Code : 62107603

Name of the Paper : Jainism

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Philosophy (CBCS) – DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. कोई पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write the main Ideologies of Digambar and Shvetambar Sects of Jainism.

जैन मत के दिगम्बर और श्वेताम्बर शाखाओं के मुख्य मत के बारे में लिखिए ।

2. Explain the Jaina Theory of Anekantavada.

जैन सिद्धान्त के अनेकान्तवाद की व्याख्या कीजिए ।

3. Elaborate the concept of Syadvada as mentioned in Jaina Philosophy.

जैन दर्शन में उल्लिखित स्यादवाद के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

4. Explain the nature of Knowledge as discussed in Jaina Epistemology.

जैन ज्ञान मीमांसा में वर्णित ज्ञान के स्वरुप की व्याख्या कीजिए ।

5. Elaborate the Nature of Reality according to Jainism.

जैन मत के अनुसार तत्व के स्वरुप के बारे में विस्तार से लिखिए ।

6. Discuss the concept of Pancha-Mahavrata according to Jaina Ethics.

जैन नीतिशास्त्र के अनुसार पंच-महाव्रत के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

7. Explain the concept of Triratna according to Jaina Ethics.

जैन नीतिशास्त्र के अनुसार त्रिरत्न के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

8. Short notes on **any Two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(a) Jaina Symbol

जैन प्रतीक

(b) Relevance of Jaina Ethics

[This question paper contains 4 printed pages.]

(7)

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE
IC 2019
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 9434

Unique Paper Code : 62107603

Name of the Paper : Jainism

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Philosophy (CBCS) – DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. कोई **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. What are Jain Symbols? Discuss its relevance in detail.

   जैन प्रतीक क्या हैं ? इसकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से लिखें ।

2. What is the Nature of Reality according to Jainism?

   जैन मत में तत्व के स्वरूप क्या है ?

3. Explain the theory of 'Sapta-bhangi-naya' in Jainism.

   जैन मत में 'सप्त-भंगी-नय' सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

4. Explain the nature and kinds of Knowledge according to Jainism.

   जैन मत के अनुसार ज्ञान के स्वरूप एवं प्रकार की व्याख्या कीजिए ।

5. Explain the concept of Anekāntavāda.

   अनेकांतवाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

6. Discuss the concept of Pancha-Mahavrata according to Jaina Ethics.

   जैन नीतिशास्त्र के अनुसार पंचमहाव्रत के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

7. What are the Practical Applications of Jain Ethics?

   जैन नीतियों का व्यवहारिक उपयोग क्या है ?

8. Write short notes on **any two** of the following :

   निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

   (a) Vows in Jainism

   जैन मत में महाव्रत

(b) Sects of Jainism

जैन मत में शाखाएं

(c) Triratnaa

त्रिरत्न